already indicated. This is a new circuit under issue at present and *Sacchi Paatshahiis* included in that. Mattan is also included. I have already indicated that. Baba *Rishi and Aishmukam* are also included in that.

DR. KARAN SINGH: Mr. Chairman, Sir, I would like to commend -the Minister the dynamic Minister, for carrying on the work that I began 36 years ago, when the Ministry was first formed. Is the Minister aware that there is a fabulous circuit in Tamil Nadu which involves Madurai, Tiruchirapalli andThanjavur, In Madurai, you have the glorious Meenakshi temple, in Tiruchirapalli you have the Sri Rangathan temple and in Thanjavur you have the Brihadeeswarar temple. The Shakta, the Shaiva and the Vaishnava—-the three great streams of Hindu culture—are available in this circuit. Will the hon. Minister be pleased to tell us whether special attention is being paid to develop this great tourist and spiritual circuit in Tamil Nadu.

SHRI JAGMOHAN: Sir, about Tamil Nadu, I must tell you that it is such a rich depository of culture and ancient heritage that we have already developed a circuit which is around Mahabalipuram, Kanchipuram and Kanyakumari. In the second phase, we are taking up this area including Thanjavur. We will probably do it this year.

New LPG agencies in Uttar Pradesh

†*226. SHRI MUNAVVAR HASAN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) the number of gas agencies functioning in Uttar Pradesh;

(b) whether Government have received any proposals for the opening of more gas agencies; and

(c) if so, the details thereof and action taken in this regard?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Pubic Sector Oil Marketing Companies (OMCs) were operating 938 LPG distributorships as on 1.7.2003 in the State of Uttar Pradesh.

(b) & (c) Government receive various representations for setting up of more LPG distributorships from time to time. OMCs have been

†Original notice of the question was received in Hindi.

given freedom to choose new locations for setting up of LPG distributorships in various parts of the country including rural areas on commercial considerations. The selection of LPG distributors in the deregulated scenario will be made by these companies themselves as per the guidelines to be adopted by them.

श्री मुनव्वर हसन: सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब में यह बताया है कि एल.पी.जी. डीलरशिप का चयन और एल.पी.जी. डीलरशिप देने के लिए निजी कम्पनियों को अधिकृत किया गया है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि सन् 2002-03 के बीच विभिन्न तेल कम्पनियों ने देश के विभिन्न भागों में पैट्रोल, डीजल और गैस एजेंसीज का आबंटन किया है, यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और कितनी एजेंसीज का आबंटन किया है?

श्री राम नाईक: सभापति जी, प्रश्न एल.पी.जी. का है इसलिए मेरे पास इस समय पर एल.पी.जी. के ही आंकड़े हैं क्योंकि पैट्रोल, डीजल के अलग-अलग रिटेल आउटलेट्स होते हैं। यह कोई और जानकारी पूछेंगे तो मैं लिख कर उनको जरुर दे दूंगा। लेकिन गए चार वर्षों में जो पहले 938 अभी समय पर एल.पी.जी. के डिस्ट्रीब्यूटर्स हैं उसमें गए चार साल में 249 डिस्ट्रीब्यूटर्स बढ़ाए गए और इस समय पर लोकेशन आइडेंटिफाइ किए हैं जहां एल.पी.जी. की एजेंसीज भविष्य में आएगी वे हैं लगभग 393 और उसमें से 135 के लिए एडवर्टाइजमेंट की हुई है और इस प्रकार से यह काम चल रहा है।

श्री मुनव्वर हसन: मान्यवर, मेरी दूसरी सप्लीमेंट्री है कि उक्त कार्य को अचानक बीच-बीच में रोक दिया जाता है। जब डिस्ट्री ब्यूटरशिप का आवंटन होता है तो उसको बीच-बीच में लम्बित किया जाता है, बहुत देर तक रोक दिया जाता है। फिर मीटिंग आती है फिर कैंसिल कर दी जाती है, फिर मीटिंग आती है फिर कैंसिल कर दी जाती है। इससे आवेदकों को धन की, आने-जाने की कितनी परेशानी हो रही है। तो इस विषय में क्या कार्रवाई की जा रही है?

श्री राम नाईक: ऐसा कोई रोका तो नहीं जाता है। लेकिन कोई निश्चित इस प्रकार की जानकारी देंगे तो उसमें देख करके मैं सदस्य को उसकी जानकारी दूंगा।

श्री रमाशंकर कौशिक: सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने बताया है कि डिस्ट्रीब्यूटरशिप की पूरी स्थापना के लिए कम्पनियों को स्वतंत्र कर दिया गया है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उनकी क्या प्रक्रिया है। किस आधार पर वह तय करते हैं कि यहा पर हम को एजेंसी खोलनी है? मैं सोचता हूं कि उनका द्रष्टिकोण कामर्शियल रहता है और ऐसे क्षेत्र में जहां अधिक कामर्शियल गैस की आवश्यकता है, वे ऐसी जगह खोजते हैं। जनता की आकांक्षा कितनी है, जनता की आवश्यकता कितनी है, इसका हिसाब कम्पनियां नहीं रखती हैं। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस संदर्भ में, इस बात को सोचते हुए कि जनता की

आवश्यकताओं की पूर्ति होनी चाहिए, क्या आप कोई ऐसा मैकेनिज्म तैयार करेंगे जो स्थानों के च्यन की प्रक्रिया में काम आ सके और वह जनता की आवश्यकताओं के अनुरुप हो?

श्री राम नाईक: सभापति जी, यह बात तो सही है। यह ध्यान में रखना चाहिए कि कोई व्यापार धंधा करता है तो कामर्शियल कंसीडरेशन उसमें होगा ही। लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि हमने पिछले चार वर्षों में 3 करोड़ 29 लाख नये एलपीजी के कनेक्शन दिये हैं। देश में इस समय 5 करोड़ 10 लाख लोगों के पास डोमस्टिक कनेक्शन दिये हैं। ये ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ रहे हैं। एजेंसी चलाने के लिए जो उचित स्थान हैं, वहां पर हम ले जायेंगे।

श्री रमा शंकर कौशिक: सभापति महोदय, मेरा यह प्रश्न नहीं था, मेरा प्रश्न था कि जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए कोई ऐसा मैकेनिज्म बनायें जो केवल कम्पनियों के ऊपर न छोड़ा जाये, बल्कि जनता की किसी संस्था के ऊपर जैस-जिला पंचायत, क्षेत्रीय पंचायत, ग्राम पंचायत, तहसील हैड क्वार्टस हैं, इसके ऊपर छोड़ा जाये?

श्री सभापति: ठीक है।

श्री राम नाईक: सभापति महोदय, जितने भी इस प्रकार के सुझाव आते हैं, उनका ख्याल करके ही तय किया जाता है। मोटे तौर पर देश में जो ब्लाक लेवल पर स्थान हैं, हर ब्लॉक लेवल के स्थान या जहां दस हजार से ज्यादा की आबादी है, ऐसे स्थान पर एलपीजी की डिस्ट्रीब्युटरशिप बनाने का एक नीतिगत निर्णय हम लोगों ने किया है।

श्री गांधी आजाद: सभापति महोदय, जो गैस एजेंसियां उत्तर प्रदेश में हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के लोगों की कितनी गैस एजेंसियां हैं और उनको क्या सुविधाएं दी गई हैं।

श्री राम नाईक: सभापति जी, मोटे तौर पर रिजर्वेशन 25 प्रतिशत सभी जगह पर है, उत्तर प्रदेश में भी है। जहां तक सुविधा का सवाल है, वह खड़ी करने के लिए जितनी भी पूंजी लगती है, वह सारी पूंजी तेल कम्पनियां अपनी ओर से देती हैं। जो सलेक्टिड व्यक्ति होता है उसको अपनी ओर कोई खर्चा नहीं करना होता है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एल.पी.जी. का मूल्य

*227. **श्री राजीव रंजन सिंह "ललन"**:†

श्री कपिल सिब्बल:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वित्तीय वर्ष 2002-03 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एल.पी.जी. के मूल्यों में उतार-चढ़ाव हुआ है; और

(ख) यदि हां, तो एल.पी.जी. के अधिकतम और न्यूनतम मूल्य क्या थे और साथ में उपर्युक्त वर्ष के प्रत्येक माह के दौरान एल.पी.जी. की आयात की गई मात्रा कितनी थी?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक):(क) और (ख) सदन के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है।

† The question was actually asked on the floor of the house by Shri Rajiv Ranjan Singh lalan'.